Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 23 April 2024

Dainik Jagran Page - 02

गोवि के स्थापना दिवस समारोह से आनलाइन जुड़ेंगे पुरातन छात्र

स्थापना दिवस समारोह की तैयारी की समीक्षा के लिए बैठक करते गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन • जागरण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : एक मई को अयोजित होने वाले स्थापना दिवस समारोह को भव्य बनाने की तैयारी में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय उत्साह जोखरोर से जुटा है। इसी क्रम में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सोमवार को समारोह की तैयारियों की समीक्षा की और उसकी रिपोर्ट लिए। बैठक में कुलपति ने स्थापना दिवस समारोह के लिए गठित कमेटी के सदस्यों से कहा कि वह इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुरातन छात्रों को जोड़ें। उन्हें आनलाइन व आफलाइन दोनों मोड में आयोजन से जुड़ने के लिए अभिप्रेरित करें। ऐसे पुरातन छात्र जो दूसरे देशों में रह ले हैं, उन्हें आनलाइन जोड़ने की रणनीति बनाने की कोशिश करें।

कुलपति ने कहा की स्थापना समारोह की तैयारी की समीक्षा का हुआ दूसरा दौर, पूनम टंडन ने दिए जरूरी निर्देश

दिवस समारोह में विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों को भी बड़े स्तर पर जोड़ा जा रहा है। महाविद्यालयों के प्रबंधक भी बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही महाविद्यालयों के अंदर तक लगाई जाएगी। कुलपति ने अपनी टीम को यह भी निर्देशित किया कि वह शहर के गणमान्य लोगों को भी अपने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आमंत्रित करें। उन्होंने बताया कि दीक्षा भवन में आयोजित होने वाले दो घंटे के समारोह को भव्य अंतिम कलेवर देने की कोशिश करें।

कुलपति ने कहा की स्थापना समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. तुलिका मिश्रा के डिजाइन को चुके से पेटेंट मिल गया है।

खराब जीवन शैली के कारण बड़ी संख्या में लोग कैंसर, हार्ट अटैक या शुगर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। दुनिया भर की गंभीर समस्या बन चुकी इन बीमारियों के बेहतर उपचार के लिए उपकरण डिजाइन करने के संकल्पों के साथ देश के अलग-अलग राज्यों के कुल 9 वैज्ञानिकों ने

बायोसेंसिंग डिवाइस बताएगी इंसुलिन का डोज

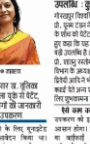

डा. तुलिका मिश्रा • साभार

अरुण सक्सेना, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. तुलिका मिश्रा ने एक ऐसा उपकरण डिजाइन किया है, जिससे मधुर से बीमारियों से पीड़ित भी जांचे सकते एवं और इंसुलिन का डोज आसानी से नियंत्रित किया जा सकेगा। उसके उपकरण का निर्माण भी आसान होगा। इसका ही नहीं इलाज के जुड़े रोगी भी लाभकारी भी किया अधिक उपयोग के हो जाएंगे। बायोसेंसिंग नाम की इस डिवाइस को इन्फ्रारेड डिवाइस ने पेटेंट हासल कर ए. तुलिका के शोध पर मुहर लगा दी है।

डा. तुलिका ने बताया कि वनस्पतिकीय के बारण हाल और उच्चाधिक्षेत्र सीरोंकी की संख्या बढ़ी है। बैकटर के मरीज भी बीते कुछ दिनों में इन बीमारी के शिकार हो रहे हैं। मैं बैक्टर के मरीज भी बीते कुछ दिनों में इन बीमारी के शिकार हो रहे हैं। इसके अलावा मधुमेह के मरीज भी बढ़ रहे हैं। इसके लिए मैंने इन्फ्रारेड डिवाइस बनाया है। इसमें एक सेंसर लगा है। इसे शरीर पर लगाया जाएगा। इसके बाद इन्फ्रारेड डिवाइस से रीडिंग प्राप्त होगी। इसे मोबाइल फोन से जोड़ा जाएगा। इसके बाद मोबाइल फोन पर इंसुलिन की डोज का पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा।

विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि : कुलपति

गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि डा. तुलिका मिश्रा के इस शोध पर विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. शांतनु रस्तोगी, बांटनी के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार द्विवेदी आदि ने भी बधाई दी है।

ऐसे काम करेगा उपकरण : इस उपकरण को इलेक्ट्रान कपड़ा अद्भुत आकार होगा। उपकरण को अद्भुत की कार्यशाली के कनेक्ट करके मोबाइल फोन की जांच-परख के बाद उन्हें पेटेंट दर्ज कराया गया है।

ऐसे काम करेगा उपकरण : इस उपकरण को इलेक्ट्रान कपड़ा अद्भुत आकार होगा। उपकरण को अद्भुत की कार्यशाली के कनेक्ट करके मोबाइल फोन की जांच-परख के बाद उन्हें पेटेंट दर्ज कराया गया है।

मानव और पर्यावरण की एक-दूसरे पर है निर्भरता

गोरखपुर: गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा है कि मानव और पर्यावरण दोनों एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। जलवायु प्रदूषण या खुशी का कम होना मानव शरीर और स्वास्थ्य पर सीधा असर डालता है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। प्रो. प्रो. टंडन सोमवार को पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। डा. स्मृति मालल ने भी संबोधित किया। संचालन निखिल गुप्ता ने किया। सौरभ, शुभम राव, दीपक पांडेय, अभिजित कार्मा, प्रभात राय आदि मौजूद रहे। -विज्ञप्ति

Amar Ujala Page - 06

डीडीयू : आज से चार दिनों तक कला संकाय में नहीं होगी परीक्षा

जिला प्रशासन ने पीठासीन अधिकारियों की ट्रेनिंग के लिए लिया कला संकाय भवन

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कला संकाय भवन में 23 से 26 अप्रैल तक परीक्षाएं नहीं होंगी। जिला प्रशासन ने पीठासीन अधिकारियों की ट्रेनिंग के लिए इसको अपने कब्जे में ले लिया है। ट्रेनिंग खत्म होने के बाद इसमें फिर से परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी।

विश्वविद्यालय में इस समय मार्चिक और सम सेमेस्टर की परीक्षाएं हो रही हैं। अभी तक कला संकाय और दीक्षा भवन में परीक्षा चल रही थी, लेकिन अब जिला प्रशासन ने कला संकाय के भूतल और दूसरे फ्लोर को पूरी तरह कब्जे में ले लिया है। इसके अलावा पहले फ्लोर के कुछ कमरों को भी ले लिया है। इसकी वजह से वहां परीक्षा करा पाना संभव नहीं है। अब ये परीक्षाएं दीक्षा भवन, महिला भवन और गृह विज्ञान विभाग में होंगी।

जिला प्रशासन ने फिलहाल पांच दिनों के लिए ही कला संकाय भवन को अपने कब्जे में लिया है। इसके बाद यहां परीक्षाएं दोबारा शुरू हो जाएंगी, लेकिन 11 मई को कला संकाय, दीक्षा भवन और अन्य कई

परास्नातक की परीक्षाएं अंतिम दौर में

विश्वविद्यालय में परास्नातक की परीक्षाएं अपने अंतिम दौर में हैं। 26 अप्रैल तक ये परीक्षाएं संपन्न हो जाएंगी। इसके बाद स्नातक की परीक्षाएं शुरू होंगी। 26 अप्रैल के बाद कला संकाय भवन में परीक्षा चल रही थी, लेकिन अब जिला प्रशासन ने कला संकाय के भूतल और दूसरे फ्लोर को पूरी तरह कब्जे में ले लिया है। इसके अलावा पहले फ्लोर के कुछ कमरों को भी ले लिया है। इसकी वजह से वहां परीक्षा करा पाना संभव नहीं है। अब ये परीक्षाएं दीक्षा भवन, महिला भवन और गृह विज्ञान विभाग में होंगी।

कुलपति प्रो. पूनम ने की स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा

स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे पुरातन छात्र और शहर के नागरिक

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सोमवार को एक मई को होने वाले स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर समीक्षा की।

कुलपति ने पुरातन छात्र परिषद को निर्देशित किया कि अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध पुरातन छात्रों को ऑनलाइन या ऑनलाइन माध्यम से इस स्थापना दिवस समारोह में आमंत्रित करने की तैयारी करें। कुलपति ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह में संबद्ध महाविद्यालयों को भी बड़े स्तर पर जोड़ा जा रहा है। महाविद्यालयों के प्रबंधक भी बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही महाविद्यालयों के अंदर तक लगाई जाएगी। कुलपति ने अपनी टीम को यह भी निर्देशित किया कि वह शहर के गणमान्य लोगों को भी अपने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आमंत्रित करें। उन्होंने बताया कि दीक्षा भवन में आयोजित होने वाले दो घंटे के समारोह को भव्य अंतिम कलेवर देने की कोशिश करें।

विश्वविद्यालय के अंदर तक लगाई जाएगी। दीक्षा भवन में करीब डेढ़ घंटे तक चलने वाले इस समारोह में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि होंगी। जो अभिलाषा माध्यम से समारोह में सहभागिता करेंगी। समीक्षा बैठक में स्थापना दिवस समारोह की तैयारी के लिए गठित की गई सभी समितियों के समन्वयक और अधिकारी मौजूद रहे।

स्थापना दिवस समारोह में होगी बड़ी भागीदारी

वीसी ने कहा की स्थापना दिवस समारोह में विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों को भी बड़े स्तर पर जोड़ा जा रहा है। महाविद्यालयों के प्रबंधक भी बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही महाविद्यालयों के अंदर तक लगाई जाएगी। दीक्षा भवन में करीब डेढ़ घंटे तक चलेगा। समारोह में गवर्नर मुख्य अतिथि होंगी, जो ऑनलाइन माध्यम से समारोह में हिस्सा लेंगी।

Inext Page -02

बायोसेंसिंग डिवाइस बताएगी कीमोथेरेपी व इंसुलिन का डोज

GOOD NEWS

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (22 April): गोरखपुर यूनिवर्सिटी के बीच विज्ञान विभाग के डॉक्टर ए. तुलिका मिश्रा ने कीमोथेरेपी और इंसुलिन का डोज बताने वाले बायोसेंसिंग डिवाइस बनाया है। इसके लिए उन्होंने अमेरिका में पेटेंट भी हासिल कर लिया है। इस डिवाइस से कैंसर के मरीज भी अपनी दवाई ले सकेंगे। इसके अलावा डायबिटीज के मरीज भी इंसुलिन का डोज ले सकेंगे। इस डिवाइस को इन्फ्रारेड डिवाइस नाम दिया गया है। इसमें एक सेंसर लगा है। इसे शरीर पर लगाया जाएगा। इसके बाद इन्फ्रारेड डिवाइस से रीडिंग प्राप्त होगी। इसे मोबाइल फोन से जोड़ा जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा।

विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि : वीसी

गोरखपुर यूनिवर्सिटी की वीसी प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि डा. तुलिका मिश्रा के शोध पर विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. शांतनु रस्तोगी, वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार द्विवेदी आदि ने भी बधाई दी है। इन रीडिंग के उपयोग से मधुमेह के मरीज भी अपनी दवाई ले सकेंगे। इसके अलावा कैंसर के मरीज भी बायोसेंसिंग का उपयोग कर सकेंगे। इसके लिए विभाग ने अमेरिका में पेटेंट भी हासिल कर लिया है। इस डिवाइस को इन्फ्रारेड डिवाइस नाम दिया गया है। इसमें एक सेंसर लगा है। इसे शरीर पर लगाया जाएगा। इसके बाद इन्फ्रारेड डिवाइस से रीडिंग प्राप्त होगी। इसे मोबाइल फोन से जोड़ा जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा।

सकोरा अभियान और बर्ड हाउस इनिशिएटिव शुरू

आनलाइन जुड़ेंगे पुरातन छात्र

GORAKHPUR (22 April): गोरखपुर यूनिवर्सिटी की वीसी प्रो पूनम टंडन ने 1 मई को होने वाले स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। सोमवार को बैठक में वीसी ने पुरातन छात्र परिषद को निर्देशित किया कि अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध पुरातन छात्रों को ऑनलाइन तथा ऑनलाइन माध्यम से इस स्थापना दिवस समारोह में आमंत्रित करने की तैयारी करें।

स्थापना दिवस समारोह में होगी बड़ी भागीदारी

वीसी ने कहा की स्थापना दिवस समारोह में विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों को भी बड़े स्तर पर जोड़ा जा रहा है। महाविद्यालयों के प्रबंधक भी बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही महाविद्यालयों के अंदर तक लगाई जाएगी। कुलपति ने अपनी टीम को यह भी निर्देशित किया कि वह शहर के गणमान्य लोगों को भी अपने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आमंत्रित करें। उन्होंने बताया कि दीक्षा भवन में आयोजित होने वाले दो घंटे के समारोह को भव्य अंतिम कलेवर देने की तैयारी करें।

शहर के गणमान्य नागरिकों भी होंगे शामिल

वीसी ने कहा कि शहर के सभी गणमान्य नागरिकों तथा सम्मानित पुरातन छात्रों को इस समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। दीक्षा भवन में आयोजित होने वाले यह समारोह करीब डेढ़ घंटे तक चलेगा। समारोह में गवर्नर मुख्य अतिथि होंगी, जो ऑनलाइन माध्यम से समारोह में हिस्सा लेंगी।

Rashtriya Sahara Page - 07

डीडीयू की डॉ. तूलिका मिश्रा के रिसर्च को मिला पेटेंट

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के डॉ. तूलिका मिश्रा ने एक ऐसा डिवाइस बनाया है जो कीमोथेरेपी और इंसुलिन की दवा के डोज को मिनिटरिंग करेगा। इस डिवाइस को ग्लूकोट्रेन किमाज ने पेटेंट भी प्रदान किया है। डॉ. तूलिका ने बताया कि इस उपकरण को इस्तेमाल करना बहुत आसान होगा। इसे ब्लूटूथ या वाईफाई से जोड़कर मरीज के कंबर की बायोसेंसिंग की जरूरी, जिसका परिणाम स्क्रीन पर दिखेगा। ऐसा होने के बाद न केवल मरीज को समस्या सामने आ जाएगी, बल्कि उसके इलाज के लिए दवा का डोज क्या होगा, यह सुनिश्चित करना आसान हो जाएगा।

इस उपकरण के जरिये मधुमेह के मरीज ही नहीं बल्कि कैंसर, हार्ट अटैक और प्रोटीन की कमी वाले मरीज भी अपना डोज ले सकेंगे। इसके लिए विभाग ने अमेरिका में पेटेंट भी हासिल कर लिया है। इस डिवाइस को इन्फ्रारेड डिवाइस नाम दिया गया है। इसमें एक सेंसर लगा है। इसे शरीर पर लगाया जाएगा। इसके बाद इन्फ्रारेड डिवाइस से रीडिंग प्राप्त होगी। इसे मोबाइल फोन से जोड़ा जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा।

विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि : कुलपति

गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि डा. तुलिका मिश्रा के शोध पर विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. शांतनु रस्तोगी, वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार द्विवेदी आदि ने भी बधाई दी है। इन रीडिंग के उपयोग से मधुमेह के मरीज भी अपनी दवाई ले सकेंगे। इसके अलावा कैंसर के मरीज भी बायोसेंसिंग का उपयोग कर सकेंगे। इसके लिए विभाग ने अमेरिका में पेटेंट भी हासिल कर लिया है। इस डिवाइस को इन्फ्रारेड डिवाइस नाम दिया गया है। इसमें एक सेंसर लगा है। इसे शरीर पर लगाया जाएगा। इसके बाद इन्फ्रारेड डिवाइस से रीडिंग प्राप्त होगी। इसे मोबाइल फोन से जोड़ा जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा।

बांटनी की असिस्टेंट प्रोफेसर हैं डॉ. तूलिका

बायोसेंसिंग से मरीज के बीमारियों की कुंडली बताएगा डिवाइस

दूर बैठे डाक्टर जान सकेंगे मरीज का हाल

यह बायोसेंसर कई चीजों का मिला-जुला रूप है। इसे डिवाइस को वाई फाई या ब्लूटूथ से भी कनेक्ट किया जा सकेगा। इससे दूर बैठे डाक्टर मरीज का हाल जान सकेंगे। ब्लूटूथ या वाईफाई से कनेक्ट कर मरीज के शरीर की बायोसेंसिंग करने पर उसका परिणाम डॉक्टर के मोबाइल पर भी दिखेगा।

वे रिपोर्ट मिलेंगी : बायोसेंसिंग के जरिए शरीर से निकलने वाले अनेक एंजाइम्स, हार्मोंस और प्रोटीन की रिपोर्ट आसानी से मिल जाएगी।

विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि : कुलपति : डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा, तूलिका मिश्रा के डिजाइन को पेटेंट मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. शांतनु रस्तोगी, बांटनी के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार द्विवेदी आदि ने भी बधाई दी है।

विवि के स्थापना दिवस समारोह में महाविद्यालयों की होगी बड़ी भागीदारी

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में होने वाले स्थापना दिवस समारोह में महाविद्यालयों की भी बड़ी भूमिका होगी। इसके साथ ही महाविद्यालयों के अंदर तक लगाई जाएगी। इसके लिए विभाग ने अमेरिका में पेटेंट भी हासिल कर लिया है। इस डिवाइस को इन्फ्रारेड डिवाइस नाम दिया गया है। इसमें एक सेंसर लगा है। इसे शरीर पर लगाया जाएगा। इसके बाद इन्फ्रारेड डिवाइस से रीडिंग प्राप्त होगी। इसे मोबाइल फोन से जोड़ा जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा।

- **कुलपति ने की स्थापना दिवस समारोह की तैयारी समीक्षा**
- **रजनीश ने अनरजिस्टर्ड महाविद्यालय पुरातन छात्र की जुड़ने**

स्थापना दिवस समारोह की तैयारी की समीक्षा का हुआ दूसरा दौर, पूनम टंडन ने दिए जरूरी निर्देश

स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे पुरातन छात्र और शहर के नागरिक

स्थापना दिवस समारोह में विश्वविद्यालय के संबद्ध महाविद्यालयों को भी बड़े स्तर पर जोड़ा जा रहा है। महाविद्यालयों के प्रबंधक भी बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही महाविद्यालयों के अंदर तक लगाई जाएगी। कुलपति ने अपनी टीम को यह भी निर्देशित किया कि वह शहर के गणमान्य लोगों को भी अपने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आमंत्रित करें। उन्होंने बताया कि दीक्षा भवन में आयोजित होने वाले दो घंटे के समारोह को भव्य अंतिम कलेवर देने की कोशिश करें।

कुलपति ने पुरातन छात्र परिषद को निर्देशित किया कि अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध पुरातन छात्रों को ऑनलाइन या ऑनलाइन माध्यम से इस स्थापना दिवस समारोह में आमंत्रित करने की तैयारी करें। साथ ही शहर के सभी गणमान्य नागरिकों को भी समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

कुलपति ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह में विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों को भी बड़े स्तर पर जोड़ा जा रहा है। महाविद्यालयों के प्रबंधक भी बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही महाविद्यालयों के अंदर तक लगाई जाएगी। कुलपति ने अपनी टीम को यह भी निर्देशित किया कि वह शहर के गणमान्य लोगों को भी अपने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आमंत्रित करें। उन्होंने बताया कि दीक्षा भवन में आयोजित होने वाले दो घंटे के समारोह को भव्य अंतिम कलेवर देने की तैयारी करें।

स्थापना दिवस समारोह में होगी बड़ी भागीदारी

कुलपति ने कहा की स्थापना दिवस समारोह में विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों को भी बड़े स्तर पर जोड़ा जा रहा है। महाविद्यालयों के प्रबंधक भी बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही महाविद्यालयों के अंदर तक लगाई जाएगी। कुलपति ने अपनी टीम को यह भी निर्देशित किया कि वह शहर के गणमान्य लोगों को भी अपने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आमंत्रित करें। उन्होंने बताया कि दीक्षा भवन में आयोजित होने वाले दो घंटे के समारोह को भव्य अंतिम कलेवर देने की तैयारी करें।

शहर के गणमान्य नागरिकों भी होंगे शामिल

कुलपति ने कहा की शहर के सभी गणमान्य नागरिकों तथा सम्मानित पुरातन छात्रों को इस समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। दीक्षा भवन में आयोजित होने वाले यह समारोह करीब डेढ़ घंटे तक चलेगा। समारोह में गवर्नर मुख्य अतिथि होंगी, जो ऑनलाइन माध्यम से समारोह में हिस्सा लेंगी।

Amar Ujala Select Page - 05

कुलपति प्रो. पूनम ने की स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा

स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे पुरातन छात्र और शहरी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सोमवार को एक मई को होने वाले स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। कुलपति ने पुरातन छात्र परिषद को निर्देशित किया कि अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध पुरातन छात्रों को ऑनलाइन या ऑनलाइन माध्यम से इस स्थापना दिवस समारोह में आमंत्रित करने की तैयारी करें। साथ ही शहर के सभी गणमान्य नागरिकों को भी समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

कुलपति ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह में विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों को भी बड़े स्तर पर जोड़ा जा रहा है। महाविद्यालयों के प्रबंधक भी बड़ी संख्या में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही महाविद्यालयों के अंदर तक लगाई जाएगी। दीक्षा भवन में करीब डेढ़ घंटे तक चलने वाले इस समारोह में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि होंगी। जो ऑनलाइन माध्यम से समारोह में सहभागिता करेंगी। समीक्षा बैठक में स्थापना दिवस समारोह की तैयारी के लिए गठित की गई सभी समितियों के समन्वयक और अधिकारी मौजूद रहे।

कुलपति ने स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की।

कीमोथेरेपी और इंसुलिन की डोज बताएगी बायोसेंसिंग डिवाइस

डॉ. तूलिका मिश्रा

गोरखपुर विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. तूलिका के शोध को मिला यूके से पटेंट

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के बांटनी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. तूलिका मिश्रा ने एक ऐसा डिवाइस बनाया है जो कीमोथेरेपी और इंसुलिन की दवा के डोज को मिनिटरिंग करेगा। इस बायोसेंसिंग डिवाइस को ग्लूकोट्रेन किमाज ने पेटेंट भी प्रदान किया है। डॉ. तूलिका ने बताया कि इस उपकरण को इस्तेमाल करना बहुत आसान होगा। इसे ब्लूटूथ या वाईफाई से जोड़कर मरीज के कंबर की बायोसेंसिंग की जरूरी, जिसका परिणाम स्क्रीन पर दिखेगा। ऐसा होने के बाद न केवल मरीज को समस्या सामने आ जाएगी, बल्कि उसके इलाज के लिए दवा का डोज क्या होगा, यह सुनिश्चित करना आसान हो जाएगा।

इस उपकरण के जरिये मधुमेह के मरीज ही नहीं बल्कि कैंसर, हार्ट अटैक और प्रोटीन की कमी वाले मरीज भी अपना डोज ले सकेंगे। इसके लिए विभाग ने अमेरिका में पेटेंट भी हासिल कर लिया है। इस डिवाइस को इन्फ्रारेड डिवाइस नाम दिया गया है। इसमें एक सेंसर लगा है। इसे शरीर पर लगाया जाएगा। इसके बाद इन्फ्रारेड डिवाइस से रीडिंग प्राप्त होगी। इसे मोबाइल फोन से जोड़ा जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज कब लेना है, कितना लेना है, यह मोबाइल फोन पर ही पता चल जाएगा। इसके बाद इंसुलिन का डोज लिया जाएगा।

विश्वविद्यालय परिसर में किया पौधरोपण

पृथ्वी दिवस पर किया गया पौधरोपण

कुलपति ने की स्थापना दिवस समारोह की तैयारी की समीक्षा

Hindustan Page - 06

पुरातन छात्र भी आएंगे स्थापना दिवस समारोह में

गोरखपुर। डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने सोमवार को एक मई को होने वाले स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की। कुलपति ने पुरातन छात्र परिषद को निर्देशित किया कि अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध पुरातन छात्रों को ऑफलाइन या ऑनलाइन माध्यम से इस स्थापना दिवस समारोह में आमंत्रित करने की तैयारी करें। कुलपति ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह में संबद्ध महाविद्यालयों को भी बड़े स्तर पर जोड़ा जा रहा है।

उपलब्धि | डीडीयू में बांटनी का असिस्टेंट प्रोफेसर डा. तूलिका मिश्रा के रिसर्च का मिला पेटेंट

कैंसर, हृदयरोग के इलाज में मददगार होगा बायोसेंसर

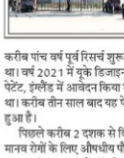

डॉ.तूलिका मिश्रा

गोरखपुर, निज संवाददाता। कीमोथेरेपी, हृदय रोग, इंसुलिन की दवा की डोज तय समय क्या हो, यह जानना अब आसान होगा। गंभीर बीमारियों की कुंडली चुटकियों में मिल जाएगी। यह सब संभव होगा बायोसेंसिंग से। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ तुलिका मिश्रा के इस रिसर्च के डिजाइन को चुके से पेटेंट मिल गया है।

खराब जीवन शैली के कारण बड़ी संख्या में लोग कैंसर, हार्ट अटैक या शुगर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। दुनिया भर की गंभीर समस्या बन चुकी इन बीमारियों के बेहतर उपचार के लिए उपकरण डिजाइन करने के संकल्पों के साथ देश के अलग-अलग राज्यों के कुल 9 वैज्ञानिकों ने करीब पांच वर्ष पूर्व रिसर्च शुरू किया था। वर्ष 2021 में यूके डिजाइन पेटेंट, इंग्लैंड में आवेदन किया गया था। करीब तीन साल बाद यह पेटेंट हुआ है।

पिछले करीब 2 दशक से विभिन्न मानव रोगों के लिए औषधीय पौधों पर अनुसंधान कर रहीं डॉ तुलिका मिश्रा ने इस डिजाइन में 'बायोसेंसर डिवाइस फॉर टारगेटेड ड्रग डिलीवरी' में अलग-अलग वैज्ञानिकों ने अलग-अलग एंगल से कार्य किया है।

दूर बैठे डॉक्टर जान सकेंगे मरीज का हाल : यह बायोसेंसर कई चीजों का मिला-जुला रूप है। इसे डिवाइस को वाईफाई या ब्लूटूथ से भी कनेक्ट किया जा सकेगा। इससे थेरेपी' पर काम किया है। 'बायोसेंसर डिवाइस फॉर टारगेटेड ड्रग डिलीवरी' में अलग-अलग वैज्ञानिकों ने अलग-अलग एंगल से कार्य किया है।

दूर बैठे डॉक्टर जान सकेंगे मरीज का हाल : यह बायोसेंसर कई चीजों का मिला-जुला रूप है। इसे डिवाइस को वाईफाई या ब्लूटूथ से भी कनेक्ट किया जा सकेगा। इससे

Swatantra Chetna Page - 02, 04, 05

गोविवि में सकोरा अभियान एवं बर्ड हाउस इनिशिएटिव की शुरुआत

- विवि पृथ्वी दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम
- विभिन्न विभागों को किया गया जागरूक

समाजसुधारक विचार हमें आगे बढ़ने हुआ युवाओंपर कार्यक्रम

कुलपति ने की स्थापना दिवस समारोह के तैयारी की समीक्षा बैठक

- स्थापना दिवस समारोह में जुड़ेंगे अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध पुरातन छात्र

एडवोकेट सुनील श्रीवास्तव के स्मृति में लगा निःशुल्क प्याऊ

डॉ तूलिका मिश्रा के रिसर्च को मिला यूके से पेटेंट

- डॉ तूलिका ने बनाया बायोसेंसर डिवाइस फॉर टारगेटेड ड्रग डिलीवरी
- विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि : कुलपति